

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से श्रकारिक PUBLISHED BY AUTHORETY

tio 536]

वर्ष किसी. स्कार, अवर्षर ३६, 1982/अप्रहायण 5, 1904

No. 536] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 26, 1982/AGRAHAYANA 5, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

उद्योग मंत्रालय (औंद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1982

कां आं 834(अ)/18 ए/आई० डी० आर० ए०/82:—भारत मरकार के भूतपूर्व भौद्योगिक विकास मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) के भ्रादेश सं० का० भ्रा० 727(भ्र)/18क/उ० वि० वि० भ्र०/72, तारीख 29 नवम्बर, 1972 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भ्रादेश कहा गया है) मैं मसं कन्टेनसं एण्ड क्लोजसं लिमिटेड, कलकत्ता नामक भौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 28 नवम्बर, 1977 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, भ्रविध के लिए ग्रहण किया गया था भीर इंडस्ट्रियल रिकं-स्ट्रक्शन कारपोरेशन भ्राफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता को "प्राधिकृत नियंत्रक" के रूप में नियुक्त किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के भ्रादेश सं० का० श्रा० 787(अ)/18क/उ० वि० वि० श्र०/77, तारीख 28 नवम्बर, 1977 द्वारा उक्त भ्रादेश की भ्रवधि 28 नवम्बर, 1979 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो वर्ष की भ्रीर श्रवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

श्रीर मारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीयोगिक विकास विमाग) के श्रादेश सं० का० था० 757(अ)/18क/उ० वि०वि० थ्र०/79, तारीख 26 1022 GI/82 नवम्बर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, 28 नवम्बर, 1980 तक की जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 926(श्र) 18क/ उ० वि० वि० व०/80, तारीख 28 नवस्वर, 1980 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 28 मई, 1981 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित हैं, छह माम की श्रीर अवधि के लिए बढ़ायी गई थी;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग), के भादेश सं० का० श्रा० 391(श्र)/18क/उ० वि० वि० श्र०/81, तारीख 28 मई, 1981 द्वारा उक्त श्रादेश की श्रवधि 28 नवम्बर, 1981 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह माह की श्रीर अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश संव काव आव 732(अ)/18क/उव विव विव श्रव/81, तारीख 28 नवस्वर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अविश 28 नवस्वर, 1982 तक की जिसमें यह तारीख भी सिम्मलित है, एक वर्ष की और अविव के लिए बढ़ा दी गई थी;

भीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त स्रादेश छह मास की स्रीर स्रविध के लिए प्रमानो बना रहे;

ग्रतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियन) प्रधि-नियम, 1951 (1951का 65) की घारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त ग्रादेश 28 मई, 1983, तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह म.म की ग्रौर अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

> [फा॰ सं॰ 2(9)/80-सी॰ यू॰ एस॰] ए॰ पी॰ मरवन, संयुक्त मिवन

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 26th November, 1982

S.O. 834(E) 18A IDRA 82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development No. S.O. 727(E) 18A IDRA 72 dated the 29th November, 1972 (hereinafter referred to as the sal. Order), the management of the Industrial undertaking known as Messrs Containers and Closures Limited, Calcutta had been taken over for a period upto and inclusive of the 28th November, 1977, and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta was appointed as "Authorised Controller":

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 787(E) 18A IDRA 77, dated the 28th November, 1977, the duration of the said Order was extended for a further period of two years upto and inclusive of the 28th November, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 757(E) 18A IDRA 79, dated the 26th November 1979, the duration of the said Order was exten-

ded for a further period of one year upto and inclusive of the 28th November, 1980;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 926(E) 18A IDRA 80, dated the 28th November, 1980, the duration of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 28th May, 1981;

And, whereas, by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 391(E)|18A IDRA|81 dated the 28th May, 1981, the duration of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 28th November, 1981;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department Industrial Development) No. S.O. 832(E)|18A | IDRA|81 dated the 28th November, 1981, the duration of the said order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 28th November, 1982.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the sad Order should continue to have effect for a further period of six months:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provisio to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 28th May, 1983.

[File No. 2(9)[80-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.